सत्य जो कभी नहीं बदलता

खोजी न्याय की
एक बुनियादी झलक

पृष्ठभूमि के रूप में निबंध 24, 26 और 28 पढ़ें

पादरी साहब,
एक नये सिरे से जन्मे
विश्वासी के रूप में मुझे चिंता है
कि 'खोजी न्याय' का यह सिद्धांत उद्धार
के मेरे आश्वासन को छीन लेता है।

मुझे वास्तव में सुरक्षित महसूस करने
और यह **जानने की** ज़रूरत है
कि मुझे स्वर्ग में अनन्त जीवन
विरासत में मिलेगा

**मुझे विशेष रूप से जो चिंता है वह यह है कि,
यदि मेरे काम परमेश्वर के मापदंड पर खरे नहीं
उतरते हैं, तो मेरा उद्धार ख़तरे में पड़ जायगा!**

सुसमाचार कहता है कि यीशु मेरी माफ़ी के लिए मरा। क्या यह निश्चित रूप से मेरे उद्धार के लिए पर्याप्त है?

हाँ बहन, नये सिरे से जन्मे विश्वासी के रूप में आप धर्मी ठहराई गयीं हैं। फिर भी, हमारे उद्धार (**धर्मी ठहराया जाने**) को हमारे सहायक यीशु के साथ हमारी दैनिक बात-चीत और पाप-स्वीकृति (**पवित्रीकरण)** द्वारा संरक्षित करने की आवश्यकता है।

पौलुस ने इसे रोमियों 6:1-2 में बहुत अच्छी तरह से कहा है, "तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो? कदापि नहीं! हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उसमें कैसे जीवन बिताएँ?"

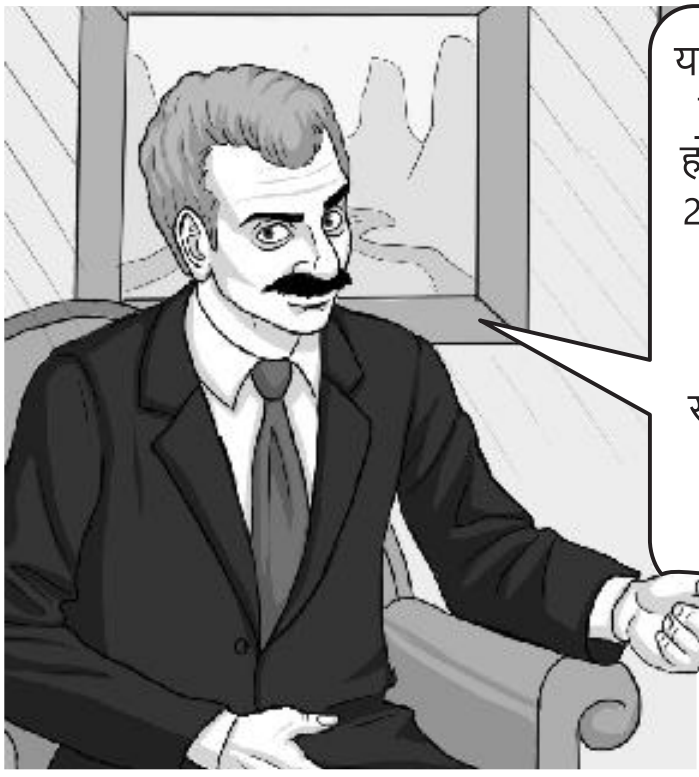

याद रखें कि नये सिरे से जन्मा मसीही **धर्मी ठहराया गया** पापी है। इसलिए इस तथ्य की अपनी याद को प्रतिदिन नवीनीकृत करना होगा, हमें परमेश्वर की नई सृष्टि के रूप में चलना होगा। इफिसियों 2:10 कहता है, "क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया।"

साथ ही, १ यूहन्ना १:९ कहता है, "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।"

"हाँ; परन्तु धन्य वे हैं जो पपरमेश्वर का वचन सुनते और मानते हैं।"
(लूका 11-28)

फिर बाइबल हमें बहुत स्पष्ट रूप से बताती है कि विश्वासियों का दूसरे आगमन से पहले न्याय किया जाएगा। यदि आप 2 कुरिन्थियों 5:10 को देखें, तो आप देखेंगे कि पौलुस विशेष रूप से विश्वासियों (यानी कलीसिया के सदस्यों) को लिख रहा है:

"क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए।"

तो प्रत्येक नये सिरे से जन्मे विश्वासी का न्याय यीशु के दूसरे आगमन से पहले किया जाएगा

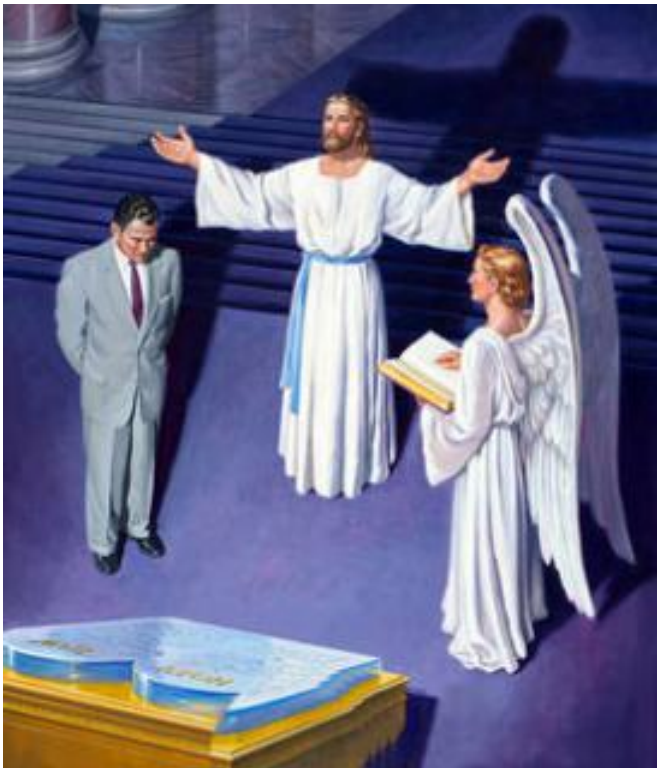

2 कुरिन्थियों 5:10 में पौलुस जो वर्णन कर रहा है वह है (आगमन-पूर्व)

खोजी न्याय

यह केवल उन लोगों के लिए है जिन्होंने कभी न कभी मसीह के नाम को ग्रहण किया है, और इसका एक कारण है: जब यीशु आएगा, तो वह वफादार लोगों को स्वर्ग ले जाएगा, लेकिन उन्हें वहाँ ले जाने से पहले, उसे न्याय करना होगा।

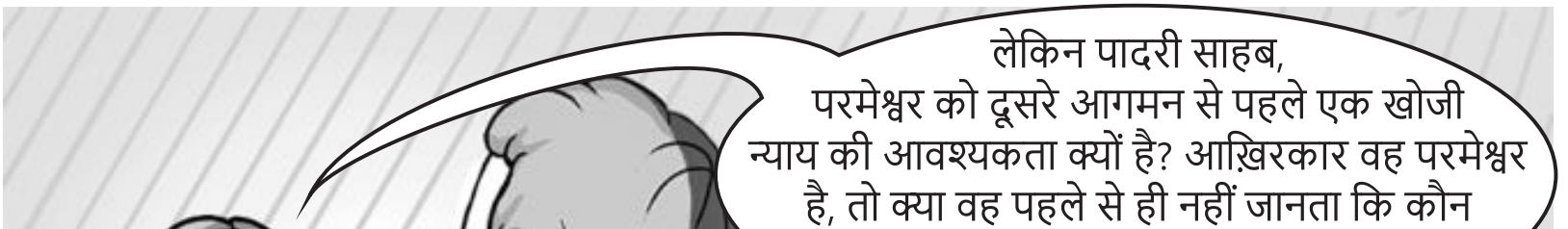

परमेश्वर और शैतान के बीच महान विवाद में, लूसिफ़र ने परमेश्वर की अच्छाई को चुनौती देते हुए कहा था कि परमेश्वर एक मनमाना तानाशाह और प्रतिशोधी न्यायाधीश है। उसने परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह किया और उसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया गया।

खोजी न्याय इस लिए नहीं है कि परमेश्वर नहीं जानता कौन बचाया गया है या खो गया है। इसका उद्देश्य देखने वाले ब्रह्मांड के सामने यह प्रकट करना है कि, हर एक जीवन में, परमेश्वर अपने राज्य के लिए उन्हें बचाने के लिए प्रेमपूर्ण दया और करुणा के साथ आगे आया है।

फिर भी कलीसिया में अच्छी और बुरी मछलियाँ हैं।

अपने एक दृष्टांत में यीशु मछुआरे और उनके महाजाल की कहानी बताता है। (इसे मत्ती 13:47-50 में पढ़ें) नाव कलीसिया का प्रतीक है, जबकि मछलियाँ (हम) किनारे पर लाकर छाँटी जाती हैं।

उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, 'हे प्रभु, हे प्रभु, क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यद्वाणी नहीं की, और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नहीं किए?'

तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, 'मैंने तुम को कभी नहीं जाना। हे कुकर्म करनेवालो, मेरे पास से चले जाओ।'

(मत्ती 7:22-23)

कृपया याद रखें

खोजी न्याय हमारे उद्धार के आश्वासन को नहीं छीनता है, जब तक हम मसीह में बने रहते हैं।

जब हम पश्चाताप करते हैं और अपने पापों को स्वीकार करते हैं और उसके वादों पर भरोसा रखते है, तो हमें कुछ भी डर नहीं है,
क्योंकि यीशु हमारा रक्षक (हमारा सहायक) होगा।
फिर भी, मैं इसे इस तरह कहता हूँ:
हालाँकि उद्धार के लिए आज्ञाकारिता पूर्व शर्त नहीं है,
यह एक मांग है, क्योंकि:

"विश्वास कर्म बिना मरा हुआ है।" याकूब 2:26

जब पौलुस ने परमेश्वर के न्याय के बारे में बात की, तो यह उस क्षण भविष्य में था, फिर भी प्रकाशितवाक्य 14:7 कहता है: "क्योंकि उसके न्याय करने का समय आ पहुँचा है।" यह संक्षेप में बताता है कि यह निबंध किस बारे में है।

ध्यान दें: मूल यूनानी पाठ में जिस आ पहुँचा है क्रिया का अनुवाद किया गया है वह तथाकथित सिद्धांतवादी है। यूनानी में, सिद्धांतवादी इंगित करता है कि कार्रवाई हो चुकी है, वह पहले ही हो चुकी है या होने की प्रक्रिया में है। यह बस हो रही है।

यह इंगित करता है कि परमेश्वर के न्याय करने का समय आ पहुँचा गया है, यह वर्तमान में है। परमेश्वर का न्याय वर्तमान न्याय है।

यह समय, हमारा समय, परमेश्वर के न्याय का समय है।

प्रकाशितवाक्य के साथ दानिय्येल की भविष्यवाणियों (दानिय्येल 8:14) को पढ़ते हुए, हम स्पष्ट रूप से इस समय न्याय की घड़ी में हैं। मेरा मानना है कि न्याय का समय 2300 वर्षों की अवधि के अंत में 1844 में शुरू हुआ (दानिय्येल 8:14)।

अब इससे एक प्रश्न उठ सकता है, इसलिए अगले कुछ पृष्ठों तक मेरे साथ धीरज बनाये रखें।

निःसंदेह आगमन-पूर्व खोजी न्याय की आरंभिक तिथि का स्पष्ट गणितीय प्रमाण है: ईसवी 1844 (निबंध 24 देखें)

इस निष्कर्ष पर पहुँचना कोई अजीब बात नहीं है; विभिन्न मतों और संप्रदायों के अन्य व्याख्याताओं का भी यही मानना है कि दानिय्येल एक न्याय के बारे में बोल रहा है जो इसी समय के आसपास शुरू हुआ था।

उदाहरण के लिए, रोमन कैथोलिक लेखक एफ डस्टरवाल्ड कहते हैं: "बिना किसी सवाल के, भविष्यवक्ता दानिय्येल यहां परमेश्वर के न्याय का वर्णन करता है..."(डाई वेल्ट्रेइच अंड दास गोटेसरिच [1890], पृष्ठ 177)

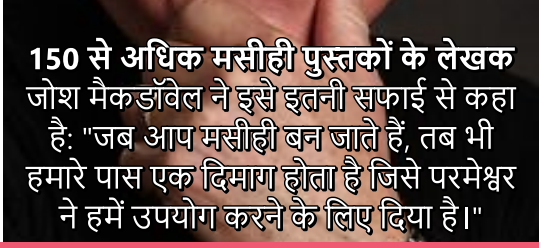

दूसरे शब्दों में बाइबल न केवल सत्य है बल्कि तार्किक भी है।

फिर भी न्याय का एक और पहलू है, वह यह कि मेरे जीवन में जो भी अन्याय या अधार्मिकता, जो भी चुनौतियाँ थीं, न्याय में परमेश्वर सभी चीजों को सही कर देगा...परमेश्वर समझाएगा कि जीवन की परीक्षाओं में मुझे आशा देने के लिए वह मेरे साथ था।

फिर भी न्याय कहता है कि बुराई की निंदा की जाएगी, शैतान पराजित होगा, और मसीह सभी चीजों को सही कर देगा।

यह अविश्वसनीय सुसमाचार है और मुझे विश्वास है कि यह आपको प्रोत्साहित करेगा!

न्याय का खुलासा दो पुस्तकों, दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य में किया गया है। वे भविष्यवाणी के रूप से संबंधित हैं।

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु यूहन्ना के माध्यम से कहता है कि परमेश्वर का न्याय करने का समय आ पहुँचा है, लेकिन यह हमें नहीं बताती कि न्याय कब शुरू हुआ।

लेकिन यदि आप दानिय्येल 7, 8 और 9 की जाँच करते हैं, तो आप पाएंगे कि समय रेखा का खुलासा किया जा चुका है... मसीह में उद्धार का इतिहास (दानिय्येल 7) चार पशुओं के दर्शन द्वारा दर्शाया गया है। वे चार पशु चार साम्राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनके दस सींग दस राजनीतिक शक्तियों के उदय का प्रतिनिधित्व करते हैं। छोटा सींग, जो सबसे अंत में उठता है और अन्य सींगों पर हावी हो जाता है, एक राजनीतिक-धार्मिक शक्ति की ओर इशारा करता है जो परमेश्वर की व्यवस्था को बदलने का प्रयास करेगी।

- **इसकी चर्चा निबंध 26 में की गई है**

लेकिन यहाँ न्याय शुरु होने का दृश्य है। दानिय्येल देखता है कि पृथ्वी पर क्या हो रहा है। वह ऊपर देखता है और इस न्याय दृश्य को देखता है। यह उसके लिए अच्छी खबर है, क्योंकि परमेश्वर की योजना और उद्देश्य और उसके लोगों का विरोध करने वाली सांसारिक शक्तियाँ नष्ट कर दी गई हैं। (दानिय्येल 7:9-10)

• तो उन दो पद्यों में हम उस न्याय का शुरु होना देखते हैं जिसके बारे में प्रकाशितवाक्य 14:7 और प्रकाशितवाक्य 21:2 बताते हैं।

न्याय के समय के बारे में क्या? हम इस का खुलासा दानिय्येल 8:14 में पाते हैं। दानिय्येल 8:13 में स्वर्गदूत एक प्रश्न पूछता है, और दानिय्येल हमें पवित्रस्थान की ओर इशारा करता है।

इस समय राजनीतिक-धार्मिक शक्ति ने पवित्रस्थान के बारे में सच्चाई को दबा दिया है; उन्होंने हमारे बलिदानी, हमारे महायाजक, हमारे उद्धारकर्ता, हमारे लिए मध्यस्थता करने वाले यीशु के बारे में सच्चाई को दबा दिया है।

और उसने मुझसे कहा, “जब तक साँझ और सबेरा दो हज़ार तीन सौ बार न हों, तब तक वह होता रहेगा; तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा।" दानिय्येल 8:14

आप इस अध्याय के अंत में पहुँचते हैं और दानिय्येल बेहोश हो जाता है; दानिय्येल 8:27 और दानिय्येल 9:24 पढ़ें।

यह सब निबंध २४ में समझाया गया है, याद रखें, 490 वर्ष यहूदियों से संबंधित हैं!

तो जिब्राएल दानिय्येल को उस दर्शन के बारे में समझाने के लिए लौटता है जिसे वह समझ नहीं पाया था: "जो कुछ मैंने देखा था उस से मैं चकित रहा, क्योंकि उसका कोई समझानेवाला न था।" (दानिय्येल 8:27)

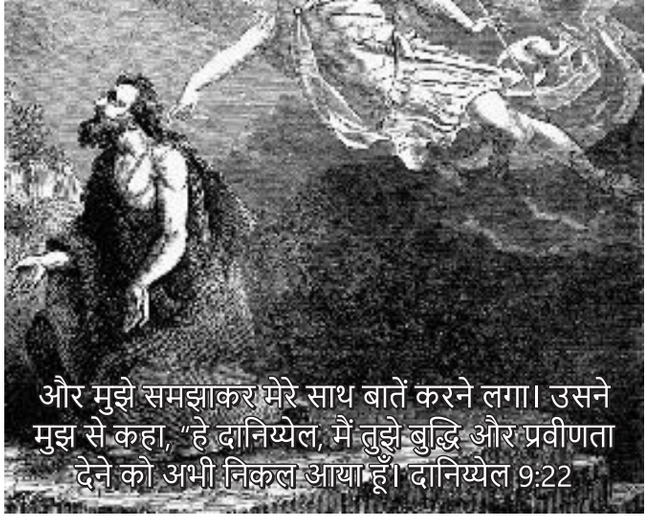

इसका मतलब यह है कि हम अभी न्याय के समय में जी रहे हैं, जो 1844 में शुरू हुआ था।

न्याय का समय वह समय है जब परमेश्वर के वचन की सच्चाई को पूरी दुनिया में बहाल किया जाना है, एक सच्चाई जो दुनिया के अंत तक जाती है।

दोनों दानिय्येल की पुस्तक और प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से हम समझते हैं कि यह सुनिश्चित करने का समय है कि हमारे हृदय परमेश्वर के साथ सही हैं।

तो फिर न्याय के समय में हमें क्या करना है? हमारी जिम्मेदारी क्या है?

पश्चाताप करना और अपने हृदयों को परमेश्वर के समक्ष खोलना, यह सुनिश्चित करना कि हमारे और यीशु के बीच कुछ और नहीं है। न्याय के समय में यही हमारी पुकार है।

याकूब 1:22 को संक्षेप में कहें तो: "प्रभु के लिए व्यस्त हो जाओ।"

अंत में, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहता हूँ:

शैतान को "भाइयों पर दोष लगाने वाला" कहा जाता है (प्रकाशितवाक्य 12:10)। वह परमेश्वर के सामने हमारे पापों का आरोप लगाता है। शैतान नहीं चाहता कि परमेश्वर का अनुग्रह और क्षमा हम तक पहुँचे, न ही वह चाहता है कि हम परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करें।

हालाँकि आगमन-पूर्व न्याय 'धर्मी ठहराए गये' और 'पवित्र किये गये' विश्वासी के पक्ष में है। दानिय्येल 7:22 पढ़ें: "जब तक वह अति प्राचीन न आया, और परमप्रधान के पवित्र लोग न्यायी न ठहरे, और उन पवित्र लोगों के राज्याधिकारी होने का समय न आ पहुँचा।"

मसीही के लिए एक अद्भुत समाचार!

TRACT © GEORGE ROSS

प्रिय मित्र!

मैं हमारी बहन की चिंता पर अपने उत्तर को संक्षेप में प्रस्तुत करता हूँ: उद्धार केवल क्षमा में समाप्त नहीं होता है, क्योंकि परमेश्वर के नियमों का पालन करने से इनकार करने का कोई भी प्रयास क्रूस पर मसीह की मृत्यु को सस्ता और शून्य बना देता है। यह परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किए बिना क्षमा का दावा करने के समान है।

जब यीशु एक खोई हुई आत्मा को बुलाता है, तो यह शिष्यत्व के लिए एक आह्वान है। हममें से प्रत्येक को एक तोड़ा दिया गया है। यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि परमेश्वर ने हमें जो कुछ दिया है उसका उपयोग हम उसे महिमा और सम्मान देने के लिए करें।

संपर्क विवरण:
पास्टर वी.पी सिंह
+91 88263 53456 'vpsingh.sda@gmail.com'

www.bibletrakts.com